DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM & MARKING SCHEME

B.A./B.Sc./B.Com. Part – II & III
HINDI LANGUAGE
&
B.A. Part – II & III
HINDI LITERATURE

SESSION : 2022-23

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय
दुर्ग (छत्तीसगढ़)

ESTD: 1958

GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE, DURG, 491001 (C.G.)

(Former Name – Govt. Arts & Science College, Durg)

NAAC Accredited Grade A+, College with CPE - Phase III (UGC), STAR COLLEGE (DBT)

Phone : 0788-2212030

Website - www.govtsciencecollegedurg.ac.in, Email – autonomousdurg2013@gmail.com

बी.ए. भाग – दो

सत्र 2022–2023
आधार पाठ्यक्रम
हिन्दी भाषा
पाठ्यक्रम कोड : FCH-02A

पूर्णांक : 75

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को –

1. हिन्दी भाषा के प्रयोजनात्मक स्वरूप का सामान्य ज्ञान प्रदान करना।
2. कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के प्रयोग की आवश्यकता के अनुरूप कम्प्यूटर की कार्यप्रणाली की आरंभिक जानकारी से अवगत होने के लिए प्रेरित करना।
3. हिन्दी व्याकरण के बुनियादी ज्ञान संप्रेषण कौशल तथा भाषायी दक्षता से अवगत कराना।
4. साहित्य और समाज को समझने की दिशा में रूझान उत्पन्न करना।

इकाई 1. हिन्दी भाषा और उसके विविध रूप
कार्यालयीन भाषा, मीडिया की भाषा
महात्मा गांधी – चोरी और प्रायश्चित

इकाई 2. हिन्दी भाषा और उसके विविध रूप
वित्त एवं वाणिज्य की भाषा मशीनी भाषा
आचार्य नरेन्द्र देव – युवकों का समाज में स्थान

इकाई 3. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण।
वासुदेवशरण अग्रवाल – मातृभूमि

इकाई 4. समास, संधि एवं संक्षिप्तियाँ
पं. माधवराव सप्रे – सम्भाषण–कुशलता

इकाई 5. अनुवाद व्यवहार : अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद।
हरि ठाकुर – डॉ. खूबचंद बघेल

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम –

इस पाठयक्रम को पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी –

1. स्वतंत्रता संग्राम के वैचारिक परिप्रेक्ष्य और महापुरूषों के चिंतन के विषय में जान सकेंगे।
2. भारत वर्ष के सांस्कृतिक अतीत और परंपरा के विषय में जान सकेंगे।
3. प्रयोजनात्मक भाषा की सामान्य जानकारी और समझ विकसित कर सकेंगे।
4. हिन्दी व्याकरण की कोटियों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

5. सटीक और शुद्ध भाषा का कौशल सीख सकेंगे।

अंक विभाजन

प्रत्येक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड (क, ख, तथा ग) होंगे । विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय–सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है ।

प्रत्येक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा

क्र.	प्रश्न का प्रकार		अंक
खण्ड क	अति लघूत्तरी प्रश्न /वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पी प्रश्न नहीं होंगे ।		1x10 = 10
खण्ड ख	लघूत्तरी प्रश्न		5 x 5 = 25
खण्ड ग	दीर्घ उत्तरी प्रश्न		8 x 5 = 40
		कुल	75 अंक

आधारग्रंथ – हिन्दी भाषा और संस्कृति सम्पादक – डॉ. राजेन्द्र मिश्र , डॉ. विनय दुबे
(म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी)

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

बी.कॉम. भाग-दो
सत्र 2022–2023
आधार पाठ्यक्रम
हिन्दी भाषा
पाठ्यक्रम कोड : FCH-02C

पूर्णांक : 75

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को –

1. हिन्दी भाषा के प्रयोजनात्मक स्वरूप का सामान्य ज्ञान प्रदान करना।
2. कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के प्रयोग की आवश्यकता के अनुरूप कम्प्यूटर की कार्यप्रणाली की आरंभिक जानकारी से अवगत होने के लिए प्रेरित करना।
3. हिन्दी व्याकरण के बुनियादी ज्ञान संप्रेषण कौशल तथा भाषायी दक्षता से अवगत कराना।
4. साहित्य और समाज को समझने की दिशा में रूझान उत्पन्न करना।

पाठ्यक्रम का विवरण –

इकाई 1.
हिन्दी भाषा और उसके विविध रूप
कार्यालयीन भाषा, मीडिया की भाषा
महात्मा गांधी – चोरी और प्रायश्चित

इकाई 2.
हिन्दी भाषा और उसके विविध रूप
वित्त एवं वाणिज्य की भाषा मशीनी भाषा
आचार्य नरेन्द्र देव – युवकों का समाज में स्थान

इकाई 3.
संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण।
वासुदेवशरण अग्रवाल – मातृभूमि

इकाई 4.
समास, संधि एवं संक्षिप्तियाँ
पं. माधवराव सप्रे – सम्भाषण–कुशलता

इकाई 5.
अनुवाद व्यवहार : अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद।
हरि ठाकुर – डॉ. खूबचंद बघेल

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम –

इस पाठयक्रम को पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी –

1. स्वतंत्रता संग्राम के वैचारिक परिप्रेक्ष्य और महापुरूषों के चिंतन के विषय में जान सकेंगे।
2. भारत वर्ष के सांस्कृतिक अतीत और परंपरा के विषय में जान सकेंगे।
3. प्रयोजनात्मक भाषा की सामान्य जानकारी और समझ विकसित कर सकेंगे।
4. हिन्दी व्याकरण की कोटियों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
5. सटीक और शुद्ध भाषा का कौशल सीख सकेंगे।

25/03/22
दीपक स्वर्णकार

अंक विभाजन

प्रत्येक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड (क, ख, तथा ग) होंगे। विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय–सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है ।

प्रत्येक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा

क्र.	प्रश्न का प्रकार		अंक
खण्ड क	अति लघूत्तरी प्रश्न /वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पीय प्रश्न नहीं होंगे ।		1x10 = 10
खण्ड ख	लघूत्तरी प्रश्न		5 x 5 = 25
खण्ड ग	दीर्घ उत्तरी प्रश्न		8 x 5 = 40
		कुल	75 अंक

आधारग्रंथ – हिन्दी भाषा और संस्कृति – सम्पादक : डॉ. राजेन्द्र मिश्र , डॉ. विनय दुबे
(म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी)

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

बी.एस-सी. भाग-दो
सत्र 2022–2023
आधार पाठ्यक्रम
हिन्दी भाषा
पाठ्यक्रम कोड : FCH-02S

पूर्णांक : 75

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को –

1. हिन्दी भाषा के प्रयोजनात्मक स्वरूप का सामान्य ज्ञान प्रदान करना।
2. कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के प्रयोग की आवश्यकता के अनुरूप कम्प्यूटर की कार्यप्रणाली की आरंभिक जानकारी से अवगत होने के लिए प्रेरित करना।
3. हिन्दी व्याकरण के बुनियादी ज्ञान संप्रेषण कौशल तथा भाषायी दक्षता से अवगत कराना।
4. साहित्य और समाज को समझने की दिशा में रूझान उत्पन्न करना।

पाठ्यक्रम का विवरण –

इकाई 1. हिन्दी भाषा और उसके विविध रूप
कार्यालयीन भाषा, मीडिया की भाषा
महात्मा गांधी – चोरी और प्रायश्चित

इकाई 2. हिन्दी भाषा और उसके विविध रूप
वित्त एवं वाणिज्य की भाषा मशीनी भाषा
आचार्य नरेन्द्र देव – युवकों का समाज में स्थान

इकाई 3. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण।
वासुदेवशरण अग्रवाल – मातृभूमि

इकाई 4. समास, संधि एवं संक्षिप्तियाँ
पं. माधवराव सप्रे – सम्भाषण–कुशलता

इकाई 5. अनुवाद व्यवहार : अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद।
हरि ठाकुर – डॉ. खूबचंद बघेल

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम –

इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी –

1. स्वतंत्रता संग्राम के वैचारिक परिप्रेक्ष्य और महापुरूषों के चिंतन के विषय में जान सकेंगे।
2. भारत वर्ष के सांस्कृतिक अतीत और परंपरा के विषय में जान सकेंगे।
3. प्रयोजनात्मक भाषा की सामान्य जानकारी और समझ विकसित कर सकेंगे।
4. हिन्दी व्याकरण की कोटियों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
5. सटीक और शुद्ध भाषा का कौशल सीख सकेंगे।

अंक विभाजन

प्रत्येक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड (क, ख, तथा ग) होंगे । विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय–सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है ।
प्रत्येक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा

क्र.	प्रश्न का प्रकार		अंक
खण्ड क	अति लघूत्तरी प्रश्न /वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पी प्रश्न नहीं होंगे ।		1x10 = 10
खण्ड ख	लघूत्तरी प्रश्न		5 x 5 = 25
खण्ड ग	दीर्घ उत्तरी प्रश्न		8 x 5 = 40
		कुल	75 अंक

आधारग्रंथ – हिन्दी भाषा और संस्कृति सम्पादक – डॉ. राजेन्द्र मिश्र , डॉ. विनय दुबे
(म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी)

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

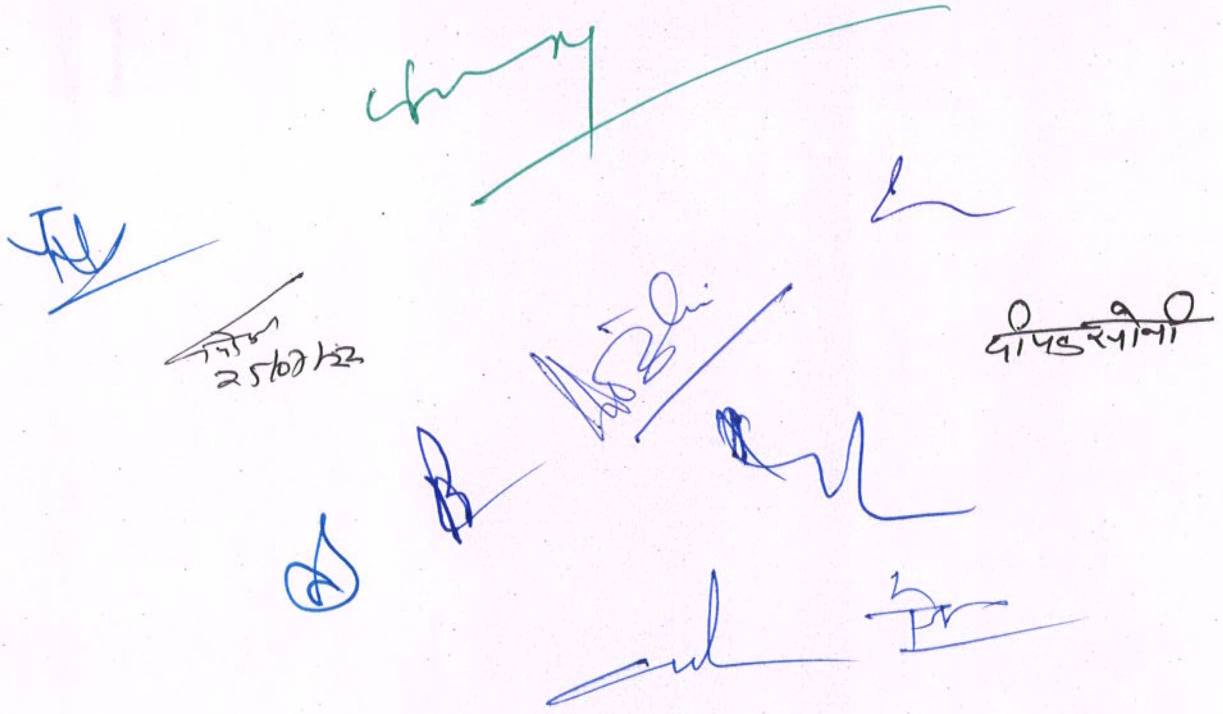

बी.ए. भाग – तीन
सत्र 2022–2023
हिन्दी भाषा
(सम्प्रेषण कौशल, हिन्दी भाषा और सामान्य ज्ञान)
पाठ्यक्रम कोड : FCH – 03 A

पाठ्यक्रम का उद्देश्य पूर्णांक : **75**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को –

1. हिन्दी के साहित्य की मूल संवेदना से सामान्य रूप से परिचित कराना।
2. भारत की सामाजिक–आर्थिक समस्याओं तथा समग्र राष्ट्रीय विकास की रणनीति के विषय में सामान्य जानकारी प्रदान करना।
3. हिन्दी में अभिव्यक्ति की पद्धतियों से अवगत कराना तथा उनके सम्प्रेषण कौशल में वृद्धि करना।
4. कामकाजी भाषा का सम्यक ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम का विवरण –

इकाई 1
- (क) भारत माता : सुमित्रानंदन पंत
- (ख) कथन की शैलियाँ
  1. विवरणात्मक शैली
  2. मूल्यांकनपरक शैली
  3. व्याख्यात्मक शैली
  4. विचारात्मक शैली

इकाई 2
- (क) सूखी डाली : उपेन्द्रनाथ अश्क
- (ख) विभिन्न संरचनाएँ
  1. विनम्रता सूचक संरचनाएँ
  2. विधि सूचक संरचनाएँ
  3. निषेध परक संरचनाएँ
  4. कालबोधक संरचनाएँ
  5. स्थानबोधक संरचनाएँ
  6. दिशाबोधक संरचनाएँ
  7. कार्य कारण सम्बन्ध संरचनाएँ
  8. अनुक्रम

इकाई 3
- (क) वसीयत : मालती जोशी
- (ख) कार्यालयीन पत्र और आलेख
  1. परिपत्र
  2. आदेश
  3. अधिसूचना
  4. ज्ञापन
  5. अनुस्मारक
  6. पृष्ठांकन

इकाई 4
- (क) योग की शक्ति : हरिवंशराय बच्चन
- (ख) अनुवाद – परिभाषा, स्वरूप एवं महत्व

1. स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा
2. अच्छे अनुवाद की विशेषताएँ
3. अनुवाद प्रक्रिया, अनुवादक

इकाई 5 (क) संस्कृति और राष्ट्रीय एकीकरण : योगेश अटल
(ख) घटनाओं, समारोहों आदि का प्रतिवेदन, विभिन्न प्रकार के निमंत्रण पत्र ।

पाठ्यक्रम का अधिगम परिणाम –

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी का –

1. हिन्दी के साहित्य से सामान्य परिचय हो सकेगा।
2. हिन्दी में अभिव्यक्ति की पद्धतियों से परिचय होगा तथा उसके संप्रेषण–कौशल में वृद्धि हो सकेगी।
3. कामकाजी भाषा लिखने का कौशल विकसित हो सकेगा।
4. भारतीय संस्कृति के समन्वयात्मक स्वाभाव के प्रति विश्वास जागृत हो सकेगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड (क, ख, तथा ग) होंगे । विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय–सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है ।

प्रत्येक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा ।

क्र.	प्रश्न का प्रकार		अंक
खण्ड क	अति लघूत्तरी प्रश्न /वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पी प्रश्न नहीं होंगे ।		1 x 10 = 10
खण्ड ख	लघूत्तरी प्रश्न		5 x 5 = 25
खण्ड ग	दीर्घ उत्तरी प्रश्न		8 x 5 = 40
		कुल	75 अंक

आधारग्रंथ – हिन्दी भाषा एवं सम सामयिकी – प्रधान सम्पादक डॉ. धनंजय वर्मा
(म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी)

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

25/07/22

बी.कॉम. भाग – तीन
सत्र 2022–2023
हिन्दी भाषा

(सम्प्रेषण कौशल, हिन्दी भाषा और सामान्य ज्ञान)

पाठ्यक्रम कोड : FCH – 03C

पाठ्यक्रम का उद्देश्य **पूर्णांक : 75**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को –

1. हिन्दी के साहित्य की मूल संवेदना से सामान्य रूप से परिचित कराना।
2. भारत की सामाजिक–आर्थिक समस्याओं तथा समग्र राष्ट्रीय विकास की रणनीति के विषय में सामान्य जानकारी प्रदान करना।
3. हिन्दी में अभिव्यक्ति की पद्धतियों से अवगत कराना तथा उनके सम्प्रेषण कौशल में वृद्धि करना।
4. कामकाजी भाषा का सम्यक ज्ञान प्रदान करना।

पाठयक्रम का विवरण –

इकाई 1
- (क) भारत माता : सुमित्रानंदन पंत
- (ख) कथन की शैलियाँ
  1. विवरणात्मक शैली
  2. मूल्यांकनपरक शैली
  3. व्याख्यात्मक शैली
  4. विचारात्मक शैली

इकाई 2
- (क) सूखी डाली : उपेन्द्रनाथ अश्क
- (ख) विभिन्न संरचनाएँ
  1. विनम्रता सूचक संरचनाएँ
  2. विधि सूचक संरचनाएँ
  3. निषेध परक संरचनाएँ
  4. कालबोधक संरचनाएँ
  5. स्थानबोधक संरचनाएँ
  6. दिशाबोधक संरचनाएँ
  7. कार्य कारण सम्बन्ध संरचनाएँ
  8. अनुक्रम

इकाई 3
- (क) वसीयत : मालती जोशी
- (ख) कार्यालयीन पत्र और आलेख
  1. परिपत्र
  2. आदेश
  3. अधिसूचना
  4. ज्ञापन
  5. अनुस्मारक
  6. पृष्ठांकन

इकाई 4
- (क) योग की शक्ति : हरिवंशराय बच्चन
- (ख) अनुवाद – परिभाषा, स्वरूप एवं महत्व

1. स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा
2. अच्छे अनुवाद की विशेषताएँ
3. अनुवाद प्रक्रिया, अनुवादक

इकाई 5 (क) संस्कृति और राष्ट्रीय एकीकरण : योगेश अटल

(ख) घटनाओं, समारोहों आदि का प्रतिवेदन, विभिन्न प्रकार के निमंत्रण पत्र ।

पाठ्यक्रम का अधिगम परिणाम –

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी का –

1. हिन्दी के साहित्य से सामान्य परिचय हो सकेगा।
2. हिन्दी में अभिव्यक्ति की पद्धतियों से परिचय होगा तथा उसके संप्रेषण–कौशल में वृद्धि हो सकेगी।
3. कामकाजी भाषा लिखने का कौशल विकसित हो सकेगा।
4. भारतीय संस्कृति के समन्वयात्मक स्वाभाव के प्रति विश्वास जागृत हो सकेगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड (क, ख, तथा ग) होंगे । विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय–सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है ।

प्रत्येक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा ।

क्र.	प्रश्न का प्रकार		अंक
खण्ड क	अति लघूत्तरी प्रश्न /वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पी प्रश्न नहीं होंगे ।		1 x 10 = 10
खण्ड ख	लघूत्तरी प्रश्न		5 x 5 = 25
खण्ड ग	दीर्घ उत्तरी प्रश्न		8 x 5 = 40
		कुल	75 अंक

आधारग्रंथ – हिन्दी भाषा एवं सम सामयिकी – प्रधान सम्पादक डॉ. धनंजय वर्मा
(म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी)

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

बी.एस–सी. भाग – तीन
सत्र 2022–2023
हिन्दी भाषा
(सम्प्रेषण कौशल, हिन्दी भाषा और सामान्य ज्ञान)

पाठ्यक्रम कोड : FCH – 03S

पाठ्यक्रम का उद्देश्य **पूर्णांक : 75**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को –

1. हिन्दी के साहित्य की मूल संवेदना से सामान्य रूप से परिचित कराना।
2. भारत की सामाजिक–आर्थिक समस्याओं तथा समग्र राष्ट्रीय विकास की रणनीति के विषय में सामान्य जानकारी प्रदान करना।
3. हिन्दी में अभिव्यक्ति की पद्धतियों से अवगत कराना तथा उनके सम्प्रेषण कौशल में वृद्धि करना।
4. कामकाजी भाषा का सम्यक ज्ञान प्रदान करना।

पाठयक्रम का विवरण –

इकाई 1
(क) भारत माता : सुमित्रानंदन पंत
(ख) कथन की शैलियाँ
1. विवरणात्मक शैली
2. मूल्यांकनपरक शैली
3. व्याख्यात्मक शैली
4. विचारात्मक शैली

इकाई 2
(क) सूखी डाली : उपेन्द्रनाथ अश्क
(ख) विभिन्न संरचनाएँ
1. विनम्रता सूचक संरचनाएँ
2. विधि सूचक संरचनाएँ
3. निषेध परक संरचनाएँ
4. कालबोधक संरचनाएँ
5. स्थानबोधक संरचनाएँ
6. दिशाबोधक संरचनाएँ
7. कार्य कारण सम्बन्ध संरचनाएँ
8. अनुक्रम

इकाई 3
(क) वसीयत : मालती जोशी
(ख) कार्यालयीन पत्र और आलेख
1. परिपत्र
2. आदेश
3. अधिसूचना
4. ज्ञापन
5. अनुस्मारक
6. पृष्ठांकन

25/07/22

इकाई 4 (क) योग की शक्ति : हरिवंशराय बच्चन

(ख) अनुवाद – परिभाषा, स्वरूप एवं महत्व

1. स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा
2. अच्छे अनुवाद की विशेषताएँ
3. अनुवाद प्रक्रिया, अनुवादक

इकाई 5 (क) संस्कृति और राष्ट्रीय एकीकरण : योगेश अटल

(ख) घटनाओं, समारोहों आदि का प्रतिवेदन, विभिन्न प्रकार के निमंत्रण पत्र ।

पाठ्यक्रम का अधिगम परिणाम –

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी का –

1. हिन्दी के साहित्य से सामान्य परिचय हो सकेगा।
2. हिन्दी में अभिव्यक्ति की पद्धतियों से परिचय होगा तथा उसके संप्रेषण–कौशल में वृद्धि हो सकेगी।
3. कामकाजी भाषा लिखने का कौशल विकसित हो सकेगा।
4. भारतीय संस्कृति के समन्वयात्मक स्वाभाव के प्रति विश्वास जागृत हो सकेगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड (क, ख, तथा ग) होंगे । विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय–सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है ।

प्रत्येक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा ।

क्र.	प्रश्न का प्रकार		अंक
खण्ड क	अति लघूत्तरी प्रश्न /वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पी प्रश्न नहीं होंगे ।		1 x 10 = 10
खण्ड ख	लघूत्तरी प्रश्न		5 x 5 = 25
खण्ड ग	दीर्घ उत्तरी प्रश्न		8 x 5 = 40
		कुल	75 अंक

आधारग्रंथ – हिन्दी भाषा एवं सम सामयिकी – प्रधान सम्पादक डॉ. धनंजय वर्मा (म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी)

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

स्नातक द्वितीय वर्ष हिन्दी साहित्य हेतु
पाठ्यक्रम एवं अंक निर्धारण
सत्र 2022–2023

प्रश्न प्रत्र क्रमांक	प्रश्न पत्र का शीर्षक	अंक निर्धारण	
		अधिकतम	न्यूनतम
प्रश्न प्रत्र प्रथम	अर्वाचीन हिन्दी काव्य	75	25
प्रश्न प्रत्र द्वितीय	हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य–विधाएँ	75	25
	पूर्णांक	150	50

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

सत्र 2022–2023
बी.ए. – भाग – दो
हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र – प्रथम
अर्वाचीन हिन्दी काव्य
पाठ्यक्रम कोड : BHN - 03

पूर्णांक : 75

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को –

1. हिन्दी की आधुनिक कविता के स्वरूप तथा उसकी मूल संवेदना के विषय में सामान्य जानकारी प्रदान करना।
2. छायावाद के काव्यात्मक सौंदर्य को समझने की दिशा में प्रेरित करना।
3. छायावादोत्तर काव्य और प्रयोगवादी कविता को समझने की दृष्टि और समझ विकसित करना।
4. हिन्दी कविता के प्रति रूचि परिष्कार की दिशा में अभिमुख करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई – 1. (क) 1. आधुनिक काव्यधारा का इतिहास
(राष्ट्रीय काव्यधारा, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता)
(ख) 2. मैथिलीशरण गुप्त–'भारत भारती' की कविताएं (शिक्षा, शुभकामना)

इकाई –2. (क) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला–
1, सखि बसन्त आया।
2, वर दे, वीणा वादिनी वर दे।
3, राजे ने अपनी रखवाली की।
4, तोड़ती पत्थर।
5, हिन्दी के सुमनों के प्रति पत्र।
(ख) द्रुतपाठ : अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

इकाई –3. (क) सुमित्रानंदन पंत –
1, बादल,
2, परिवर्तन (2 पद–1. खोलता इधर जन्मलोचन, 2. आज का दुःख कल का आल्हाद)
3, ताज,
4, झंझा में नीम,
5, भारत माता
(ख) द्रुतपाठ : सुभद्रा कुमारी चौहान

इकाई –4. (क) माखन लाल चतुर्वेदी
1 बलिपंथी से
2 सांझ और ढोलक की थापें
3 मैं बेच रही हूँ, दही
4 उलाहना
5 निःशस्त्र सेनानी
(ख) द्रुतपाठ : श्रीकांत वर्मा

25/07/22

इकाई –5.　(क) स.ही. वात्स्यायन अज्ञेय

1, सबेरे उठा तो धूप खिली थी　2, साम्राज्ञी का नैवेद्य दान

3, घर　4, चांदनी जी लो

5, दूर्वांचल

(ख) द्रुतपाठ : इक्कीसवीं सदी के रचनाकार – अनामिका, डॉ. उषा कनक पाठक

नोट– वस्तुनिष्ठ एवं लघूत्तरी प्रश्न प्रत्येक इकाई के खण्ड 'क' एवं 'ख' दोनों से पूछे जाएंगे। निबंधात्मक प्रश्न केवल खण्ड 'क' से पूछे जाएंगे।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी

1. हिंदी की आधुनिक कविता के विकासक्रम के विषय में सामान्य जानकारी हो सकेगी।
2. छायावाद के काव्यात्मक सौंदर्य को समझने की दृष्टि और प्रेरणा प्राप्त हो सकेगी।
3. छायावादोत्तर काव्य के राष्ट्रवादी स्वर को समझने में सहायता मिल सकेगी।
4. प्रयोगवादी कविता को समझने के सूत्र प्राप्त हो सकेंगे।
5. हिन्दी कविता के प्रति रूचि के परिष्कार की दृष्टि अर्जित कर सकेंगे।

अंक विभाजन

प्रत्येक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड (क, ख, तथा ग) होंगे । विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय–सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है ।

प्रत्येक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा

क्र.	प्रश्न का प्रकार		अंक
खण्ड क	अति लघूत्तरी प्रश्न /वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पी प्रश्न नहीं होंगे ।		1 x 10 = 10
खण्ड ख	लघूत्तरी प्रश्न (प्रत्येक 150 शब्द अधिकतम)		5 x 5 = 25
खण्ड ग	दीर्घ उत्तरी प्रश्न (प्रत्येक 350 शब्द अधिकतम)	व्याख्यात्मक प्रश्न	8 X 2 = 16
		आलोचनात्मक प्रश्न	8 X 3 = 24
		कुल	75 अंक

आधार ग्रंथ :– अर्वाचीन हिन्दी काव्य, : प्र.स. राजेन्द्र मिश्र / सं. जयप्रकाश
छत्तीसगढ़ राज्य हिन्दी ग्रंथ अकादमी

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

सत्र 2022–2023
बी.ए. – भाग – दो
हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र – द्वितीय
हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ
पाठ्यक्रम कोड : BHN - 04

पूर्णांक : 75

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को –

1. हिन्दी गद्य के वैचारिक और सौंदर्यात्मक पक्ष से परिचित हो सकेंगे।
2. हिन्दी नाटक के आरंभिक दौर में उसके स्वरूप, संवेदनात्मक बुनावट तथा प्रतिवादी स्वभाव से अवगत कराना।
3. हिन्दी एकांकी के विषय में आरंभिक ज्ञान प्रदान करना।
4. हिन्दी निबंध के स्वरूप और सौंदर्य से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई –1. नाटक – अंधेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

इकाई –2. (क) निबंध –

क्रोध	–	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
बसंत आ गया है	–	डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
उस अमराई ने राम–राम कही है	–	डॉ. विद्यानिवास मिश्र

(ख) द्रुतपाठ – राहुल सांस्कृत्यायन

इकाई –3. (क) निबंध –

काव्येशु नाटकं रम्यम्	–	बाबू गुलाब राय
बेईमानी की परत	–	हरिशंकर परसाई

(ख) द्रुतपाठ – महादेवी वर्मा

इकाई –4. (क) एकांकी –

औरंगजेब की आखिरी रात	–	डॉ. रामकुमार वर्मा
स्ट्राइक	–	भुवनेश्वर

(ख) द्रुतपाठ – हबीब तनवीर

इकाई –5. एकांकी –

एक दिन	–	लक्ष्मीनारायण मिश्र
दस हजार	–	उदय शंकर भट्ट
मम्मी ठकुराईन	–	डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल

25/03/22

नोट– वस्तुनिष्ठ एवं लघूत्तरी प्रश्न प्रत्येक इकाई के अंक 'क' एवं 'ख' दोनों से पूछे जाएंगे। निबंधात्मक प्रश्न केवल अंक 'क' से पूछे जाएंगे।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी –

1. हिंदी–गद्य के वैचारिक और सौंदर्यात्मक पक्ष से परिचित हो सकेंगे।
2. हिन्दी नाटक के आरंभिक दौर में उसके उपनिवेश–विरोधी स्वभाव के बारे में जान सकेंगे।
3. हिन्दी एकांकी के विषय में आरंभिक ज्ञान प्राप्त कर सकें।
4. हिन्दी निबंध के स्वरूप और सौंदर्य से परिचित हो सकेंगे।
5. गद्य साहित्य और उसकी परंपरा के प्रति रूचि विकसित कर सकेंगे।

अंक विभाजन

प्रत्येक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड (क, ख, तथा ग) होंगे । विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय–सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है ।

प्रत्येक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा

क्र.	प्रश्न का प्रकार		अंक
खण्ड क	अति लघूत्तरी प्रश्न /वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पी प्रश्न नहीं होंगें)।		1 x 10 = 10
खण्ड ख	लघूत्तरी प्रश्न (प्रत्येक 150 शब्द अधिकतम)		5 x 5 = 25
खण्ड ग	दीर्घ उत्तरी प्रश्न (प्रत्येक 350 शब्द अधिकतम)	व्याख्यात्मक प्रश्न	8 X 2 = 16
		आलोचनात्मक प्रश्न	8 X 3 = 24
		कुल	75 अंक

आधार ग्रंथ :– हिन्दी निबंध तथा अन्य विधाएँ : सं. विनोदशंकर शुक्ल (म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी)

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

25/09/22

दीपक सोनी

स्नातक तृतीय वर्ष हिन्दी साहित्य हेतु
पाठ्यक्रम एवं अंक निर्धारण
सत्र 2022–2023

प्रश्न प्रत्र क्रमांक	प्रश्न पत्र का शीर्षक	अंक निर्धारण	
		अधिकतम	न्यूनतम
प्रश्न प्रत्र	जनपदीय भाषा–साहित्य (छत्तीसगढ़ी)	75	25
प्रश्न प्रत्र	हिन्दी भाषा–साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग–विवेचन	75	25
	पूर्णांक	150	50

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

सत्र 2022–2023
बी.ए. – भाग – तीन
हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र – प्रथम
जनपदीय भाषा – साहित्य (छत्तीसगढ़ी)
पाठ्यक्रम कोड : BHN - 05

पूर्णांक : 75

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को –

1. छत्तीसगढ़ी भाषा एवं संस्कृति के प्रति अभिमुख और जागरूक करना।
2. छत्तीसगढ़ी साहित्य की विभिन्न विधाओं का आरंभिक परिचय प्रदान करना।
3. छत्तीसगढ़ी संस्कृति के स्वभाव और उसके वैशिष्ट्य के विषय में सामान्य समझ तथा उसके प्रति सम्मान का भाव विकसित करना।
4. छत्तीसगढ़ी साहित्य में नवीन साहित्यिक विधाओं के विकास का सम्यक ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई –1. (क) प्राचीन कवि संत धर्मदास के 3 पद –
गुरू पइंया लागों नाम लखा दीजो हो ।
नैन आगे ख्याल धनेरा ।
भजन करौ भाई रे, ।
(सन्दर्भ – धर्मदास की पदावली से उद्धृत)

इकाई –2. (क) लखनलाल गुप्त का गद्य – सोनपान (गद्य पुस्तक 'सोनपान' से उद्धृत)
डॉ. सत्यभामा आडिल – सीख सीख के गोठ (गद्य पुस्तक 'गोठ' से उद्धृत)
(ख) द्रुतपाठ – सुन्दरलाल शर्मा

इकाई –3. (क) डॉ. विनय पाठक की कविताएँ
तँय उठथस सुरूज उथे
एक किसिम के नियाव (अकादसी अऊ अनचिन्हार पुस्तक से उद्धृत)
(ख) द्रुतपाठ – कपिलनाथ

इकाई –4. (क) मुकुन्द कौशल – छत्तीसगढ़ी गजल
'छै बित्ता के मनखे देखो .... छोटे छोटे मछरीमन ल खा लेथे।
(पुस्तक छत्तीसगढ़ी गजल के पृष्ठ 17 से उद्धृत)
(ख) द्रुतपाठ – रामचन्द्र देशमुख

इकाई –5. (क) छत्तीसगढ़ी भाषा, साहित्य का इतिहास।

नोट– वस्तुनिष्ठ एवं लघूत्तरी प्रश्न प्रत्येक इकाई के खण्ड 'क' एवं 'ख' दोनों से पूछे जाएंगे।
निबंधात्मक प्रश्न केवल खण्ड 'क' से पूछे जाएंगे।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्याथियों में –

1. छत्तीसगढ़ी भाषा एवं संस्कृति के प्रति अभिरूचि और सजगता विकसित होगी।
2. छत्तीसगढ़ी साहित्य की विभिन्न विधाओं का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
3. छत्तीसगढ़ी संस्कृति के स्वभाव और उसके वैशिष्ट्य के विषय में सामान्य समझ विकसित हो सकेगी।
4. छत्तीसगढ़ी साहित्य में नवीन साहित्यिक विधाओं के विकास का सम्यक ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।
5. छत्तीसगढ़ी संस्कृति के प्रति सम्मान का भाव उत्पन्न होगा

अंक विभाजन

प्रत्येक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड (क, ख, तथा ग) होंगे । विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विशय–सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है ।

प्रत्येक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा

क्र.	प्रश्न का प्रकार		अंक
खण्ड क	अति लघूत्तरी प्रश्न /वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पीय प्रश्न नहीं होंगे)		1 x 10 = 10
खण्ड ख	लघूत्तरी प्रश्न (प्रत्येक 150 शब्द अधिकतम)		5 x 5 = 25
खण्ड ग	दीर्घ उत्तरी प्रश्न (प्रत्येक 350 शब्द अधिकतम)	व्याख्यात्मक प्रश्न	8 X 2 = 16
		आलोचनात्मक प्रश्न	8 X 3 = 24
		कुल	75 अंक

आधारग्रंथ

जनपदीय भाषा और साहित्य (छत्तीसगढ़ी) : प्र. सं. डॉ. सत्यभामा आडिल
डॉ. तेजराम दिल्लीवार
डॉ. श्रीमती सविता मिश्रा

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

सत्र 2022–2023
बी.ए. – भाग – तीन
हिन्दी साहित्य
हिन्दी भाषा–साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन
प्रश्न पत्र – द्वितीय
पाठ्यक्रम कोड : BHN – 06

पूर्णांक : 75

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को –

1. हिन्दी भाषा की उत्पत्ति तथा उसके ऐतिहासिक विकास की समुचित जानकारी प्रदान करना।
2. हिन्दी भाषा के विविध रूपों के व्यवहारिक तथा अनुप्रयोगात्मक पक्ष का ज्ञान प्रदान करना।
3. हिन्दी साहित्य के ऐतिहासिक विकासक्रम से अवगत कराना।
4. हिन्दी समाज के सामाजिक सांस्कृतिक विकास के समानांतर हिन्दी भाषा और साहित्य के विकास क्रम की समझ विकसित करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. हिन्दी भाषा का स्वरूप – विकास : हिन्दी की उत्पत्ति, हिन्दी की मूल आकर भाषाएं तथा विभिन्न विभाषाओं का विकास । हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप –

1. बोलचाल की भाषा	2. रचनात्मक भाषा	3. राष्ट्रभाषा
4. राजभाषा	5. सम्पर्क भाषा	6. संचार भाषा

हिन्दी का शब्द – भण्डार : तत्सम, तद्भव, देशज, आगत शब्दावली ।

इकाई 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : प्राचीन काल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख युग – प्रवृत्तियाँ, विशिष्ट रचनाकार और उनकी प्रतिनिधि कृतियाँ तथा साहित्यिक विशेषताएँ ।

इकाई 3. मध्यकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख युग – प्रवृत्तियाँ, विशिष्ट रचनाकार और उनकी प्रतिनिधि कृतियां तथा साहित्यिक विशेषताएँ ।

इकाई 4. आधुनिक काल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख युग – प्रवृत्तियाँ, विशिष्ट रचनाकार और उनकी प्रतिनिधि कृतियाँ तथा साहित्यिक विशेषताएँ ।

इकाई 5.

काव्यांग	:	काव्य का स्वरूप एवं प्रयोजन, रस के विभिन्न भेद, विभिन्न अंग तथा उदाहरण ।
प्रमुख 5 छंद	:	दोहा, सोरठा, चौपाई, कुण्डलियाँ, सवैया ।
शब्दालंकार	:	अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, पुनरूक्ति प्रकाश ।
अर्थालंकार	:	उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, भ्रांतिमान ।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी

1. हिन्दी भाषा की उत्पत्ति तथा उसके ऐतिहासिक विकास का समुचित ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. हिन्दी भाषा के विविध रूपों के व्यवहारिक तथा अनुप्रयोगात्मक पक्ष का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. हिन्दी साहित्य के ऐतिहासिक विकासक्रम से अवगत हो सकेंगें।
4. हिन्दी समाज के सामाजिक सांस्कृतिक विकास के समानांतर हिन्दी भाषा और साहित्य के विकास क्रम की समझ प्राप्त कर सकेंगे।
5. काव्य सृजन के सैद्धांतिक तथा शास्त्रीय स्वरूप से परिचित हो सकेंगें।

25/08/22

अंक विभाजन

प्रत्येक प्रश्नपत्र में तीन खण्ड (क, ख, तथा ग) होंगे । विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट विषय–सामग्री का अध्ययन अपेक्षित है ।

प्रत्येक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा

क्र.	प्रश्न का प्रकार		अंक
खण्ड क	अति लघूत्तरी प्रश्न /वस्तुनिष्ठ प्रश्न (बहुविकल्पीय प्रश्न नहीं होंगे)		1 x 10 = 10
खण्ड ख	लघूत्तरी प्रश्न (प्रत्येक 150 शब्द अधिकतम)		5 x 5 = 25
खण्ड ग	दीर्घ उत्तरी प्रश्न (प्रत्येक 350 शब्द अधिकतम)		8 x 5 = 40
		कुल	75 अंक

आधार ग्रंथ :–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. सुशील त्रिवेदी एवं बाबूलाल शुक्ल (प्रकाशक) – म.प्र.उ.शि. अनुदान आयोग, भोपाल

संदर्भ ग्रंथ

1. राजभाषा हिन्दी – मलिक मोहम्मद (प्रभात प्रकाशन दिल्ली)
2. हिन्दी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारी

हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–

विभागाध्यक्ष	:– डॉ. अभिनेष सुराना	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ	:– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	डॉ. बलजीत कौर
विषय विशेषज्ञ	:– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य	प्रो.थानसिंह वर्मा
विषय विशेषज्ञ	:– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	डॉ. जयप्रकाश साव
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि	:– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास	डॉ. कृष्णा चटर्जी
अन्य विभाग के प्राध्यापक	:– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र